UPPSC LT Assistant Teacher Syllabus

SYLLABUS
Subject: Sanskrit

गद्य, पद्य एवं नाटक–

अधोलिखित– ग्रन्थों के निर्धारित अंशो के आधार पर शब्दार्थ– विवेचन, सूक्ति, व्याकरणात्मक टिप्पणी एवं चरित्र–चित्रण से सम्बद्ध प्रश्नः

कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली), श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय), अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक), मेघदूतम (पूर्वमेघ), किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) कादम्बरी– (शुकनासोपदेश), नीतिशतकम् (सम्पूर्ण) उत्तररामचरितम् (तृतीय अंक) एवं शिवराजविजयम्, (प्रथम निःश्वास)।

व्याकरण–

लघुसिद्धान्तकौमुदी के आधार पर प्रत्याहार, सन्धि, समास, कारक, प्रत्यय एवं शब्दरूपों तथा धातु– रूपों से सम्बद्ध प्रश्न।

प्रत्याहार– प्रत्याहारों का परिचय।

सन्धिः– अच् सन्धि, व्यंजन सन्धि एवं विसर्ग सन्धि।

समासः– अव्ययीभाव, तत्पुरूष, कर्मधारय, द्विगु, द्वन्द्व एवं बहुव्रीहि समास।

कारकः– विभकत्यर्थ–प्रकरण।

प्रत्ययः– क्त्वा (ल्यप), क्त, क्तवतु, शतृ, शानच, ल्युट, तुमुन, ण्वुल, तृच, अनीयर, तव्यत्, घञ, क्तिन, मतुप एवं अण् प्रत्यय।

शब्द –रूप अकारान्त, इकारान्त, उकारान्त एवं ऋकारान्त, पुल्लिंग, स्त्रीलिंग तथा नपुसंकलिंग शब्दों के रूप।

सर्वनाम–शब्दः– सर्व, यत्, तत्, किम, एतत्, इदम्, अस्मद्, युष्मद् शब्दों के रूप।

धातु–रूपः– भू, गम्, पठ्, दृश्, अस्, पा, लभ्, हन्, दा, कथ्, प्रच्छ्, लिख्, वद्, कृ, तथा ज्ञा धातुओं के लट्, लोट्, लृट, लड़ और विधिलिड़ में रूप।

संख्यावाचक शब्दः– एक से सौ तक की संख्याओं के संस्कृत शब्दों का ज्ञान।

वाच्य– परिवर्तन अशुद्वि–परिमार्जन।

सुभाषित एवं सूक्तियोंः– संस्कृत सुभाषित एवं सूक्तियों का परिज्ञान।

साहित्य का इतिहासः– रामायण, महाभारत, रघुवंश, कुमारसम्भव, किरातार्जुनीय, शिशुपालवध, नैशधीयचरित, प्रतिमानाटक, स्वप्नवासवदत्त, मुद्राराक्षस, अभिज्ञानशाकुन्तल, दशकुमारचरित, कादम्बरी एवं पंचतंत्र काव्यों का सामान्य परिचय।